भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

जनवरी 2021 के पहले पखवाड़े की रणनीतियाँ

(1) शीतकालीन चावल (सरद धान)

• शीतकालीन धान की कटाई को या तो दरांती से या कंबाइन हार्वेस्टर के उपयोग करके करें। खपत के लिए धान के दानों को 14% नमी की मात्रा में धूप में सुखाया जाना चाहिए और बीज के बेहतर भंडारण अवधि के लिए इसे 12% नमी तक सूखना चाहिए। उपज की बेहतर कीमत के लिए तथा मिश्रण के बिना प्रत्येक किस्म को अलग-अलग पैक करें।

• जो किसान अपने लिए बीज रख रहे हैं, उन्हें यह सलाह दी जाती है कि वे फल्स स्मट से संक्रमित बालियों को अलग करें ताकि बीज उद्देश्य के लिए कोई भी संक्रमित बालियां न काटना पड़े।

• धान / चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग 'का उपयोग करें, जो वस्तुओं की गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को अधिक समय तक बनाए रखने के लिए सहायक है।

• भंडारित अनाजों में संक्रमण होने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड 3 गोलियाँ / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) गोलियाँ) दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास गृहों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। गोलियों को स्टैक में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी / रेत / चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।

• यदि इल्लियों के संक्रमण देखा जाए तो: क्विनलफॉस 25ईसी 400 मिली / एकड़ दर से प्रयोग करें या क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी 500 मिली / एकड़ दर से सुबह के समय पौध के मूल में प्रयोग करें।

• यदि चूहों की समस्या हो तो: फसल खेत के आसपास चूहों के गड्ढों को खोजकर उनमें एल्युमिनियम फास्फाइड 6% टैबलेट (12 ग्राम) प्रति गड्ढा रखें और मिट्टी के साथ गड्ढों को बंद कर दें जिससे चूहें मर जाएंगे।

• किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान पुआल को न जलाएं।

2) ग्रीष्मकालीन चावल (डालुआ धान)

• सूखा/ ग्रीष्मकालीन चावल की खेती करने वाले इच्छुक किसानों को सीआर धान 601, सीआर धान 602, चंदन, उन्नत ललाट, ललाट, नवीन, सीआर धान 310, सताबरी, बीना धान 11, सीआर धान 205, सीआर

धान 206, 1 एमटीयू 1010, एमटीयू 1001, लुणा सांखी (लवण क्षेत्र के लिए) आदि किस्मों की अच्छी गुणवत्ता के बीजों की खरीद / व्यवस्था करनी चाहिए।

(2.1) प्रत्यारोपित चावल

· 120 सेंटीमीटर चौड़ी और सुविधाजनक लंबाई वाली मिट्टी में गीली नर्सरी बीज क्यारी तैयार करें। दो क्यारियों के बीच 30 सेमी के अंतर हो चाहिए। एक एकड़ वाले मुख्य क्षेत्र में रोपाई के लिए लगभग 320 वमर्गमीटर नर्सरी क्षेत्र की आवश्यकता होती है।

• कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज दर से या 10 ग्राम ट्राइकोडर्मा / स्यूडोमोनास सूत्रीकरण / किग्रा बीज के साथ बीज उपचार करना चाहिए।

• एक एकड़ क्षेत्र में रोपाई के लिए नर्सरी बढ़ाने के लिए 14-16 किलोग्राम अधिक उपज देने वाले किस्मों के बीज का उपयोग करें। गीली नर्सरी में पूर्व अंकुरित उपचारित बीजों की बुवाई को समान रूप से पूरा करें।

• गंभीर ठंडे क्षेत्र में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गीली नर्सरी क्यारी में पूर्व अंकुरित बीजों की बुवाई करें जब रात का तापमान 0 डिग्री से ऊपर हो।

• चावल की नर्सरी को ठंड की चोट से बचाने के लिए, क्यारी को अपेक्षाकृत गर्म रखने के लिए गीले क्यारी में बीज बोने के बाद मिट्टी के तापमान को बनाए रखने के लिए अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर खाद की एक पतली परत लगायें। जहां तक संभव हो, शाम के समय सिंचाई के लिए बोरवेल के पानी का उपयोग करें और पौधों की अच्छी विकास के लिए सुबह में ठंडे पानी को बाहर निकाल दें। अत्यधिक ठंड से प्रभावित क्षेत्रों में रात के समय पॉलिथीन कवर का उपयोग करें।

• स्वस्थ पौध के उत्पादन के लिए, जैविक खाद 2.5 किग्रा/वर्गमीटर के साथ 2.5:10:5 ग्राम/वर्गमीटर (नत्रजन: फोस्फोरस: पोटाश) का प्रयोग करें। आधारी खुराक के रूप में जस्ता 0.5 ग्राम/वर्गमीटर की दर से, बुआई के 15 दिनों बाद 2.5 ग्राम/वर्गमीटर नत्रजन टॉ ड्रेसिंग के रूप में प्रयोग करें।

• नर्सरी क्यारी की सतह मिट्टी में संतृप्त स्थिति बनाए रखने के लिए सिंचाई के पानी को नालियां में प्रयोग किया जाना चाहिए। अंकुरित पौधों को उखाड़ने से पहले 2-3 दिनों के लिए कम से कम 2-3 सेमी तक खड़े पानी को बनाए रखना चाहिए।

• नर्सरी में खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए भारी खरपतवार वाले क्षेत्र में, बुवाई के बाद 3-5 दिन के भीतर स्प्रे पायराजोसल्फ्यूरन-इथाइल 10% डब्ल्यूपी (साठे) 80 ग्राम / एकड़ दर से या बुवाई के 10-12 दिनों बाद बाइस्पिरीबेक-सोडियम (नोमिनीगोल्ड) 120 मिली / एकड़ की दर से छिड़काव करें या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में 120 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

• यदि चावल की नर्सरी में थ्रिप्स का संक्रमण देखा जाता है, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या लैम्ब्डा-साइहेलोथ्रिन 5% 200 मिली / एकड़ दर से या थियामेथोक्साम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें।

• नर्सरी में, जहाँ तना छेदक संक्रमण होने की संभावना दिखाई पड़ती है, स्कीररोफोलर के साथ फेरोमोन जाल (कम से कम 3 प्रति नर्सरी 200 वर्गमीटर में) की स्थापना की सिफारिश की जाती है। जब नर कीट की संख्या 4 या 5/जाल तक हो जाए, एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली / एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।

• यदिर धान की नर्सरी में बकाने रोग देखी जाती है, तो कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1 ग्राम प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।

• पत्ती प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, टेबूकोनाजोल 50% + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 0.4 ग्राम दर से या आइसोप्रोथियोलन 40 ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर दर से पानी का छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।

भूरा धब्बा रोग संक्रमण के मामले में, प्रोपिकोनाजोल 25ईसी 1 मिली दर से छिड़काव करें या मैनकोजेब 75 डब्ल्यूपी या
कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम पानी या कार्बेन्डाजिम 64% + मैनकोजेब 8% 75 डब्ल्यूपी 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव करें।

• यदि अंकुरित पौधों में अंगमारी दिखाई दे, तो कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम / 1 लीटर पानी या प्रोपिकोनाजोल 1 मिली / 1 लिटर पानी की दर से डालें।

• समय पर रोपाई के लिए मुख्य खेत की जुताई तैयारी को पूरा करें।

(2.2२) आर्द्र सीधी बुआई चावल

• उचित फसल स्थापना और रोपाई के शुरुआती विकास के लिए पानी की एक पतली परत बनाए रखें।

• यदि पूर्व-आविर्भाव शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, तो खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए प्रारंभिक आविर्भाव-पश्चात रेडी मिक्स बेंसल्फुरोन- मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर दानेदार शाकनाशी (लोंडाक्स पॉवर / एरेस स्ट्रॉन्ग) 4 किलोग्राम / एकड़ दर से 4 किलोग्राम रेत में मिलाकर प्रयोग करें या बुआई के 10-12 दिन बाद बाइस्पिरीबैक-सोडियम (नोमिनीगोल्ड) के साथ मिलाकर छिड़काव करें या 2-3 पत्ती अवस्था में 120 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

• दौजी निकलने की अवस्था में आधारी खुराक के रूप में प्रति एकड़ 26 किलोग्राम यूरिया का टॉप ड्रेसिंग करें।

• चावल के खेत में पीला तना छेदक कीटों और पत्ती फ़ोल्डर की निगरानी के लिए 5 मिलीग्राम ल्यूर / एकड़ के साथ 3 फेरोमोन जाल लगाएं । जब नर कीट संख्या 4 या 5/जाल तक पहुंचता है, एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड

4 जी 10 किग्रा/ एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।

- *यदि बकाने रोग का संक्रमण देखा जाए, तो कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1 ग्राम प्रति लीटर दर से पानी में घोलकर 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*